प्रश्न (5.) तिरहुति प्रशंसाक भावार्थ लिखू ।

उतर - *कविश्वर चन्दा क्षा स्वयं मैथिल छलाह, तेँ अपना मतृक प्रशंसामे ‘ तिरहुति प्रशंसाक ’ माध्यमे यथोचित प्रशंसा कैल अछि । ई वैह भूमि थिक जतय जगत अपनी जानकी जन्म लेलन्हि । मिथिला धर्म आ दर्शनक विभूति कैँ जन्म स्थली रहत । तेँ आब अपन धर्मानुसार जे विवेक कहैत अछि तकरे अनुसार कार्य करू।*

जानकीक जन्मभूमि नाम तिरहुति ।

अनेक दर्शनज्ञ विज्ञ धर्म्मसँ विभूति॥

विवेक आत्म तत्व- निष्ठ योग योग्य जूति।

विधर्म्म कैँ हटाव आव की रहैछ सूति ॥

गण्डकी नदी प्रतीचि पुण्यवारि भास।

दक्ष देश ईश - शीश - वासिनी विलास ॥

तिरहुतिक **विवेक** सर्वत्र ख्याति अछि ।तेँ ओ देशभरि पूजित रहलैथ । तेँ अपन पूर्वज पुण्य्कीर्तिकेँ स्मरण राखु। आब सूतबाक बेर नहि ।तिरहुत त प्रजापति दशकि भूमि थिक । देवाधिदेव केँ माथ पर विराजित गंगा दक्षिण्क सीमा थिक ।पूवमे कौशिकी (कोसी) त उतरमे पर्वत राज हिमालय ।संगहि विदेह भूमि सेहो अछि।पश्चिममे गण्डक अछि । तेँ श्रीगणेशजी आ सरस्वती जी सँ प्रार्थना जेओ अपन कृपा मिथिला पर राखथि ।